शनिवार, 7 मार्च, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08



मुंबई इंडियंस का नया अवतार

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

अनिल कपूर की दमदार अदाकारी के बावजूद बिखरी हुई 'सूबेदार'

Page-05



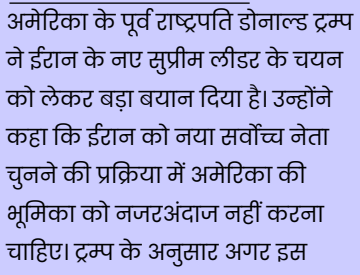
सुप्रीम लीडर के चयन पर ट्रम्प का बयान



अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर के चयन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान को नया सर्वोच्च नेता चुनने की प्रक्रिया में अमेरिका की भूमिका को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ट्रम्प के अनुसार अगर इस प्रक्रिया में अमेरिका को शामिल नहीं किया जाता है तो ऐसा फैसला ज्यादा मायने नहीं रखेगा।एक इंटरव्यू के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यदि ईरान अमेरिका की भागीदारी के बिना नया सुप्रीम लीडर चुनता है तो यह समय की बर्बादी साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि मध्य-पूर्व की स्थिरता और वैश्विक राजनीति को देखते हुए इस मामले में अमेरिका की भूमिका महत्वपूर्ण होनी चाहिए।ट्रम्प ने मौजूदा सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के संभावित उत्तराधिकारी को लेकर भी टिप्पणी की।

सुखोई लड़ाकू विमान क्रैश दो पायलट शहीद



राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पूर्वोत्तर भारत के राज्य असम से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां भारतीय वायुसेना का आधुनिक सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो पायलटों के शहीद होने की जानकारी मिली है। शुरुआती खबरों में बताया गया था कि वायुसेना का यह विमान अचानक रडार से लापता हो गया था, जिसके बाद इसकी तलाश शुरू की गई। बाद में पुष्टि हुई कि विमान असम के कार्बी आंगलॉन्ग इलाके में क्रैश हो गया। मिली जानकारी के अनुसार यह विमान असम के जोरहाट एयरबेस से उड़ान भरकर एक नियमित प्रशिक्षण मिशन पर गया था। गुरुवार शाम करीब सात बजे फाइटर जेट ने ट्रेनिंग सेशन के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान शाम 7 बजकर 42 मिनट पर विमान से आखिरी बार संपर्क हुआ था। इसके कुछ ही समय बाद यह लड़ाकू विमान अचानक रडार से गायब हो गया, जिसके बाद वायुसेना और प्रशासन ने तुरंत खोज अभियान शुरू कर दिया।

रैपर बादशाह के गाने 'टटीरी' पर विवाद

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर और रैपर बादशाहके नए गाने "टटीरी" को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। गाने के बोल और उसके वीडियो को लेकर हरियाणा के पंचकूला में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह मामला सेक्टर-20 स्थित साइबर थाना में दर्ज किया गया है।शिकायत चंडीमंदिर निवासी अभय चौधरी ने दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि गाने के कुछ बोल और वीडियो में दिखाए गए दृश्य आपत्तिजनक हैं।





रावतभाटा के बेटे ने देशभर में किया नाम रोशन

अनुज अग्निहोत्री बने यूपीएससी टॉपर

- 958 कैंडिडेट्स अलग-अलग सर्विसेज के लिए चयनित हुए हैं।
- जारी रिजल्ट में कुल 180 कैंडिडेट्स IAS के लिए चयनित हुए हैं

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा गया है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में राजस्थान के अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल कर इस उपलब्धि से न केवल उनका परिवार रहा है। आयोग द्वारा जारी परिणाम के अनुसार केंद्रीय सेवाओं के लिए किया गया है। अभ्यर्थी वेबसाइट upsc.gov.in पर देख सकते हैं।अनुज मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने इससे पहले भी दो बार यूपीएससी परीक्षा पास की है। वर्ष 2023 में उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की थी और उन्हें दिल्ली में एसडीएम के पद पर नियुक्ति मिली थी। इसके बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य को और ऊंचा रखते हुए दोबारा परीक्षा दी और इस बार देश में पहला स्थान हासिल कर लिया।अनुज के पिता केबी अग्निहोत्री राजस्थान परमाणु बिजलीघर में कार्यरत हैं, जबकि उनकी मां मंजू अग्निहोत्री गृहिणी हैं। अनुज ने अपनी शुरुआती पढ़ाई रावतभाटा स्थित परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय से पूरी की। वह बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं। 12वीं कक्षा में उन्होंने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे।

2025 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा निवासी अनुज पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। उनकी बल्कि पूरा राजस्थान गौरवान्वित महसूस कर कुल 958 उम्मीदवारों का चयन विभिन्न अपना पूरा परिणाम आयोग की आधिकारिक अग्निहोत्री की सफलता खास इसलिए भी

नेपाल चुनाव में बालेन शाह की पार्टी को बड़ी बढ़त



अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

नेपाल में आम चुनाव के लिए मतगणना जारी है और शुरुआती रुझानों में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिल रहा है। अब तक 165 में से 150 सीटों के रुझान सामने आ चुके हैं, जिनमें काठमांडू के पूर्व मेयर और रैपर बालेन शाह की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को भारी बढ़त मिलती दिखाई दे रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार आरएसपी ने अब तक 4 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है, जबकि 107 सीटों पर वह आगे चल रही है।राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की स्थापना वर्ष 2022 में हुई थी और कम समय में ही इस पार्टी ने नेपाल की राजनीति में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। शुरुआती रुझानों से यह साफ संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है।वहीं दूसरी ओर गगन थापा की पार्टी नेपाली कांग्रेस को फिलहाल एक सीट पर जीत मिली है, जबकि वह 10 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। इसके अलावा केपी शर्मा ओली की पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल भी 11 सीटों पर आगे चल रही है।

सीएम फडणवीस का बड़ा ऐलान

किसानों के लिए कर्जमाफी और जारी रहेगी लाडकी बहिण योजना

महाराष्ट्र, टीवी भारतवर्ष

मुख्यमंत्री ने बताया कि लाडकी बहिण योजना के लिए सरकार ने पर्याप्त बजट का प्रावधान किया है। फिलहाल योजना से जुड़े लाभार्थियों का सत्यापन किया जा रहा है ताकि वास्तविक पात्र महिलाओं को ही इसका लाभ मिल सके। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद योजना को और व्यवस्थित तरीके से लागू किया जाएगा।फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य किसानों और महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें कर्ज के बोझ से राहत देने के लिए सरकार लगातार नीतियां



बना रही है। वहीं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामाजिक और आर्थिक योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। विधानसभा में इस घोषणा के बाद सत्ता पक्ष के विधायकों ने सरकार के फैसले का स्वागत किया।

रिफाइनरियों को उत्पादन बढ़ाने का आदेश

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच भारत में रसोई गैस को लेकर अलर्ट

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत सरकार ने रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। सरकार ने आपातकालीन शक्तियों का उपयोग करते हुए देश की सभी ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।रिपोर्ट के अनुसार मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती



है, जिससे भारत में रसोई गैस की उपलब्धता पर असर पड़ने की आशंका है। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने 5 मार्च की देर रात यह आदेश जारी किया।

बिहार की राजनीति में बढ़ी हलचल

नीतीश कुमार ने बुलाई जेडीयू नेताओं की अहम बैठक

बिहार, टीवी भारतवर्ष

बिहार की राजनीति इन दिनों काफी गर्म है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हालिया फैसलों के बाद राजनीतिक हलचल और तेज हो गई है। नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है, जिसके बाद राज्य में सत्ता के भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।इसी बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार शाम पांच बजे अपने आधिकारिक आवास पर



जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के सभी सांसदों, विधायकों और विधान पार्षदों की अहम बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि इस बैठक में पार्टी की आगे की रणनीति और भविष्य की राजनीतिक दिशा पर चर्चा की जाएगी।सूत्रों के अनुसार, नीतीश कुमार इस बैठक में अपने आगामी राजनीतिक कदमों के बारे में पार्टी नेताओं को जानकारी दे सकते हैं। लंबे समय से बिहार की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नीतीश कुमार करीब दो दशकों तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं। ऐसे में उनके राज्यसभा जाने की खबरों ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है।



पश्चिम एशिया तनाव से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर

आत्मनिर्भरता ही समाधान : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य सहित प्रमुख व्यापार मार्ग प्रभावित हुए हैं, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार बाधित हुआ है। उन्होंने अनिश्चितताओं से निपटने के लिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया।



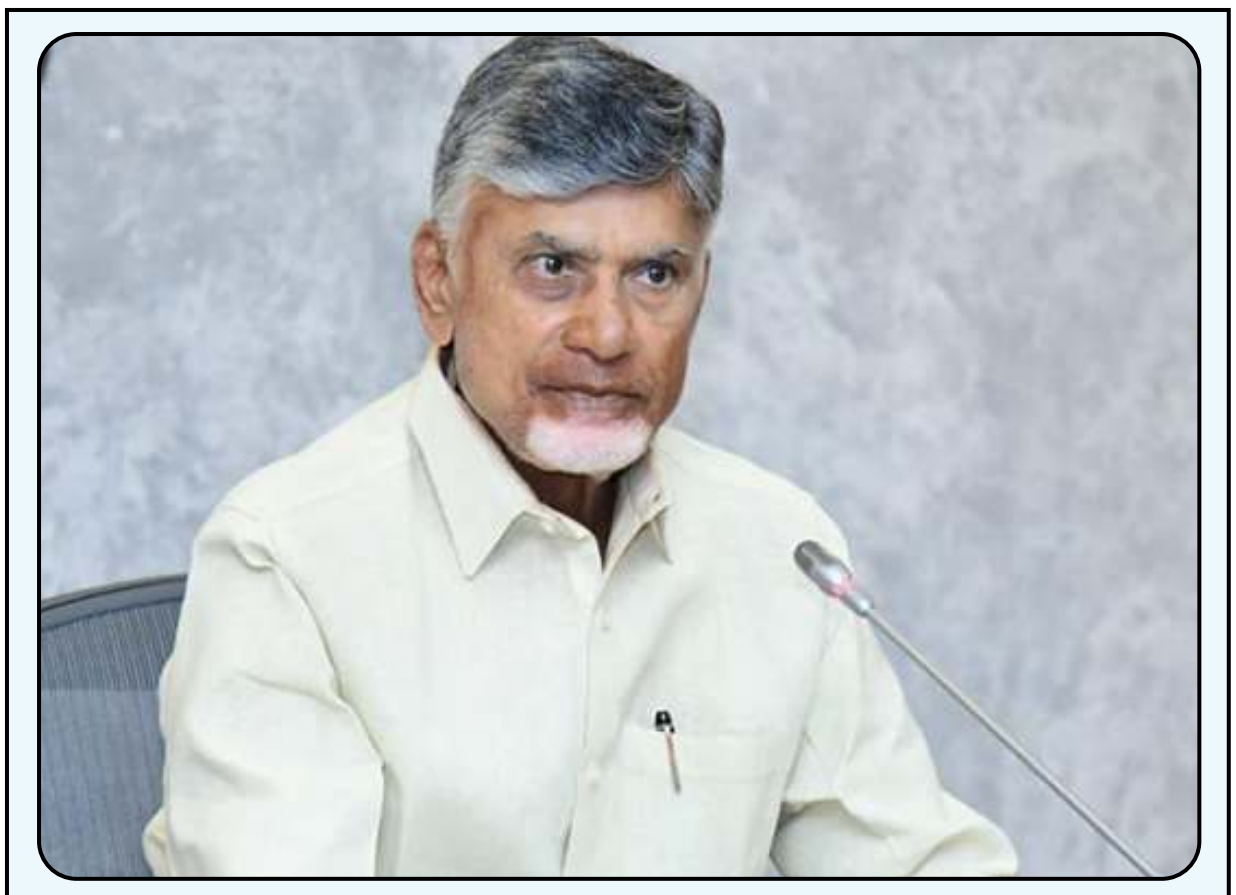
टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधा को स्वीकार करते हुए इसे बेहद असामान्य स्थिति बताया। कोलकाता में आयोजित सागर संकल्प समुद्री सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य सहित प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में आई रुकावटों ने कई क्षेत्रों और वैश्विक व्यापार को प्रभावित किया है।रक्षा मंत्री ने कहा कि मध्य पूर्व में जो घटनाक्रम चल रहा है, वह सामान्य परिस्थितियों से बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहना कठिन है कि आने वाले समय में इस क्षेत्र या भारत के पड़ोस में हालात किस दिशा में आगे बढ़ेंगे। उनके अनुसार यदि होर्मुज जलडमरूमध्य या पूरे फारस की खाड़ी क्षेत्र को देखा जाए तो यह विश्व की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि जब इस क्षेत्र में किसी प्रकार की अशांति या व्यवधान पैदा होता है, तो उसका सीधा असर तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति पर पड़ता है। हालिया घटनाओं के कारण न केवल ऊर्जा क्षेत्र बल्कि कई अन्य क्षेत्रों में भी आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं देखी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की अनिश्चितताओं का सीधा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ता है।रक्षा मंत्री ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का जिक्र करते हुए कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच जारी टकराव ने पूरे क्षेत्र को संघर्ष की स्थिति में धकेल दिया है। इस तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के व्यापार मार्ग प्रभावित हुए हैं, जिससे वैश्विक तेल और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर व्यापक असर पड़ा है। राजनाथ सिंह ने वैश्विक स्तर पर बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देशों के बीच प्रतिस्पर्धा केवल जमीन तक सीमित नहीं रही है। अब देश जमीन, हवा, समुद्र और यहां तक कि अंतरिक्ष में भी एक-दूसरे से टकराव की स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अपने आप में चिंताजनक और असामान्य है, लेकिन इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि ऐसी असामान्य परिस्थितियां धीरे-धीरे सामान्य बनती जा रही हैं।बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच रक्षा मंत्री ने भारत से समुद्री क्षेत्र में सक्रिय नेतृत्व की भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बदलती वैश्विक राजनीति के इस दौर में महासागर एक बार फिर विश्व शक्ति संतुलन के केंद्र में आ गए हैं। ऐसे समय में एक प्रमुख समुद्री राष्ट्र के रूप में भारत का दायित्व है कि वह आत्मविश्वास, क्षमता और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ नेतृत्व प्रदान करे। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आज अत्याधुनिक और सटीक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। ऐसे में अनिश्चितताओं से भरे इस दौर में आपूर्ति श्रृंखला में संभावित व्यवधानों से बचने का सबसे प्रभावी उपाय आत्मनिर्भरता ही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शुरूआत से ही इस दिशा में काम किया है और 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा को रक्षा क्षेत्र में भी प्राथमिकता दी गई है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भरता के इस दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण आधार रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम हैं।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच भारतीय एयरलाइंस ने यात्रियों के लिए राहत उपाय तेज किए

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, भारतीय एयरलाइंस ने संकटग्रस्त यात्रियों के लिए अपनी सहायता बढ़ा दी है। इंडिगो एयरलाइन ने 31 मार्च, 2026 तक मध्य पूर्व और इस्तांबुल से आने-जाने वाली यात्राओं के लिए मुफ्त कैंसलेशन और रीशेड्यूलिंग का समय एक महीने तक बढ़ा दिया है। एयरलाइन ने अपने X (पूर्व ट्विटर) पोस्ट में ट्रैवल एडवाइजरी जारी करते हुए यात्रियों को इस सुविधा की जानकारी दी और आवश्यकता पड़ने पर ग्राहक संपर्क केंद्र (+91 124 6173838) से मदद लेने की सलाह दी।वहीं, स्पाइसजेट ने संयुक्त अरब अमीरात में फंसे भारतीय यात्रियों की वापसी के लिए विशेष उड़ानों की घोषणा की है। 6 मार्च को 14 विशेष उड़ानें संचालित की जाएंगी, जिनमें 13 फुजैराह से और एक दुबई से होगी। फुजैराह से नौ उड़ानें मुंबई और चार दिल्ली के लिए संचालित होंगी, जबकि दुबई से पुणे के लिए एक विशेष उड़ान उपलब्ध कराई जाएगी। पिछले तीन दिनों में स्पाइसजेट ने यूएई से 25 विशेष उड़ानें चला कर यात्रियों को दिल्ली, मुंबई और कोच्चि के लिए कनेक्ट किया।इस बीच, शुक्रवार को दुबई से इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे यात्रियों ने क्षेत्र को "सुरक्षित" बताया। यात्रियों ने एएनआई को बताया कि युद्ध के कारण उनकी उड़ान रद्द हुई थी, लेकिन दुबई में उन्हें कोई खतरा महसूस नहीं हुआ। एक यात्री, राहुल घोष ने कहा, "हमें बताया गया कि हमारी उड़ान रद्द कर दी गई है। दुबई में मुझे असुरक्षित नहीं लगा और वहां सरकार ने मदद और समर्थन प्रदान किया।



कर्नाटक के बाद आंध्र प्रदेश भी, मुख्यमंत्री नायडू ने

16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया

अमित शाह का दावा

31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करेंगे

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दोहराया कि देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का संकल्प 31 मार्च, 2026 तक पूरा किया जाएगा। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस पर कटक में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने नक्सलवाद उन्मूलन में सीआईएसएफ की भूमिका को सराहा और कहा कि सुरक्षा बल इस प्रयास में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। अमित शाह ने कहा, "चाहे ओडिशा, छत्तीसगढ़ या तेलंगाना हो, सीआईएसएफ ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि 31 मार्च, 2026 तक यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। हमारे सुरक्षा बल रेड कॉरिडोर बनाने और नक्सलियों के खिलाफ अपना वर्चस्व स्थापित करने का सपना देखने वालों को पूरी तरह पराजित करेंगे।"उन्होंने सीआईएसएफ कर्मियों की वीरता और आत्मबलिदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि 56 वर्षों में बल ने न केवल अपने मूल उद्देश्य को पूरा किया, बल्कि हर तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए खुद को आधुनिक हथियारों और तकनीकी कौशल से लैस किया है। शाह ने कहा कि यह वीरता और बलिदान भारत के गौरवशाली इतिहास की पहचान हैं। कार्यक्रम में अमित शाह कटक जिले के मुंडाली स्थित खारवेला क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में उपस्थित हुए। भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने उनका स्वागत किया। इसके अलावा शाह राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) परिसर में केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) का भूमि पूजन करेंगे। उन्होंने 'नई न्याय संहिता' पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और मोबाइल फोरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाई। अमित शाह ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार नक्सलवाद के उन्मूलन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सुरक्षा बलों के समर्पण और साहस से ही यह लक्ष्य पूरा होगा।



श्रीलंका में ईरानी युद्धपोत पर अमेरिकी हमला

हिंद महासागर में सैन्य और कूटनीतिक तनाव बढ़ा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

श्रीलंका की संसद में उठे सवालों ने हिंद महासागर में सैन्य और कूटनीतिक तनाव की परतें उजागर की; अमेरिकी टारपीडो हमले ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा पर चिंता बढ़ाई श्रीलंका की संसद में गुरुवार को विपक्षी नेताओं ने सरकार से सवाल किया कि क्या अमेरिकी हमले का शिकार ईरानी युद्धपोत "डेना" काफी समय से श्रीलंका के जल क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति मांग रहा था। एसजेबी सांसद मुजीबुर रहमान ने दावा किया कि जहाज को गाले बंदरगाह से लगभग चालीस समुद्री मील दूर ग्यारह घंटे तक इंतजार करना पड़ा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अमेरिका और भारत के दबाव में सरकार ने जहाज को प्रवेश देने में देरी की।विपक्षी नेता सजित प्रेमदासा ने कहा कि कोलंबो के पास एक और ईरानी जहाज की मौजूदगी ने स्थिति और संवेदनशील बना दी। वहीं श्रीलंका सरकार के प्रवक्ता नलिंदा जयतिस्स ने कहा कि सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है और हालात सामान्य होने पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।वास्तव में विवाद तब भड़का जब अमेरिकी पनडुब्बी ने बुधवार सुबह दक्षिणी तट के पास ईरानी युद्धपोत डेना पर दो एमके-48 टारपीडो दागे। पहला टारपीडो चूक गया, लेकिन दूसरा जहाज से टकराया और डेना समुद्र में डूब गया। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने हमले की पुष्टि की। इस हमले ने संकेत दिया कि अमेरिका-ईरान तनाव अब हिंद महासागर में खुले समुद्री टकराव तक पहुंच चुका है। श्रीलंका को सुबह पांच बजकर आठ मिनट पर संकट संदेश मिला। भारतीय नौसेना ने बचाव अभियान में सक्रियता दिखाई, लंबी दूरी के गश्ती विमान और जीवन रक्षक नौकाओं से लैस विमान भेजे। ईरान का दूसरा युद्धपोत बुशेहर भी बंदरगाह में प्रवेश की अनुमति का इंतजार करता रहा। अंततः श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमार दिसानायके ने 208 कर्मियों को कोलंबो बंदरगाह पर उतारने और जहाज को त्रिंकोमाली ले जाने का निर्णय लिया। यह घटना केवल सैन्य संघर्ष नहीं बल्कि हिंद महासागर में बदलते शक्ति संतुलन और वैश्विक व्यापार तथा ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़े खतरे का संकेत है।

कर्नाटक में 16 साल से कम उम्र के

बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध का ऐलान

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय



कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने हालिया बजट प्रस्तुति के दौरान 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर राज्यव्यापी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इस कदम का उद्देश्य युवाओं में मोबाइल फोन की बढ़ती लत को रोकना और उन्हें डिजिटल प्लेटफॉर्म के नकारात्मक प्रभावों से बचाना है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नीति विशेष रूप से बच्चों और किशोरों को व्यसनकारी एल्गोरिदम, साइबरबुलिंग, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े जोखिमों और हानिकारक ऑनलाइन सामग्री के संपर्क से बचाने के लिए बनाई गई है। उन्होंने बताया कि भारतीय विज्ञान संस्थान (IISC) के तहत भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और कर्नाटक राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (कोनिक्स) के सहयोग से "बैंगलोर रोबोटिक्स और एआई इनोवेशन ज़ोन" नामक एक आधुनिक रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैंपस स्थापित किया जाएगा। यह पहल राज्य में उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अपना 17वां बजट पेश करते हुए केंद्र सरकार की भी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान में निर्धारित संघीय शासन प्रणाली का पूरी तरह पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे राज्यों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने केंद्र से राज्य की मांगों के प्रति अधिक संवेदनशील होने की अपील की। सिद्धारमैया ने कहा कि कर्नाटक देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और कर राजस्व देने वाले प्रमुख राज्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एक ऐसी विकास रणनीति अपना रही है, जिसमें कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे में निवेश और दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन के बीच संतुलन बनाए रखा गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए राज्य का कुल अनुमानित व्यय 4,48,004 करोड़ रुपये रखा गया है। यह बजट प्रौद्योगिकी आधारित विकास, अवसंरचना विस्तार और पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, ताकि राज्य की आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाया जा सके।

संपादक की कलम से

विविधतापूर्ण देश के लिए आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियाँ हमेशा ही जटिल रही हैं। वैश्विक ऊर्जा संकट, सीमावर्ती तनाव, और आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान जैसी घटनाएँ यह बार-बार याद दिलाती हैं कि किसी भी देश की स्थिरता और विकास उसके आत्मनिर्भर बनने की क्षमता से सीधे जुड़ा है। हालिया वैश्विक घटनाएँ, चाहे वह पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष हों या समुद्री व्यापार मार्गों में व्यवधान, भारत के लिए यह संदेश स्पष्ट करती हैं कि आत्मनिर्भरता ही समाधान है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। विदेशी तकनीक और आयातित हथियारों पर अत्यधिक निर्भरता न केवल सुरक्षा को जोखिम में डालती है, बल्कि वैश्विक दबावों और राजनीतिक स्थितियों के प्रति संवेदनशील भी बना देती है। ऐसे में यदि भारत अपने रक्षा क्षेत्र, नौसैनिक बल, और उन्नत तकनीकों में आत्मनिर्भर हो जाए, तो न केवल आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान से निपटा जा सकेगा, बल्कि देश की रणनीतिक स्थिति भी मजबूत होगी। आत्मनिर्भरता केवल रक्षा तक ही सीमित नहीं है। ऊर्जा क्षेत्र में भी यह एक आवश्यक रणनीति बन गई है। विदेशी तेल और गैस पर अत्यधिक निर्भरता न केवल आर्थिक बोझ बढ़ाती है, बल्कि वैश्विक संकट के समय भारत को अस्थिर भी कर सकती है। इसलिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, घरेलू उत्पादन और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देना अब कोई विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन गया है।इसके साथ ही, आत्मनिर्भरता सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में भी जरूरी है। छोटे और मध्यम उद्योग, स्टार्टअप इकोसिस्टम और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवाचार को बढ़ावा देकर देश रोजगार, उत्पादन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है। 'आत्मनिर्भर भारत' का वास्तविक उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि समग्र राष्ट्रनिर्माण है। हाल ही में रक्षा मंत्री और अन्य नीति निर्माताओं द्वारा उठाए गए कदम यह दिखाते हैं कि आत्मनिर्भरता केवल एक नारा नहीं, बल्कि व्यवहार में लाने योग्य रणनीति है। यह कदम न केवल देश की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं, बल्कि युवाओं में तकनीकी और वैज्ञानिक कौशल के विकास को भी प्रोत्साहित करते हैं। अंततः, वैश्विक अनिश्चितताओं और आंतरिक चुनौतियों के इस युग में भारत के लिए आत्मनिर्भरता ही वह मार्ग है जो स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित कर सकता है। यह केवल एक राजनीतिक या आर्थिक दृष्टिकोण नहीं, बल्कि राष्ट्र के दीर्घकालिक हित में लिया गया आवश्यक कदम है। आत्मनिर्भरता की दिशा में हर प्रयास, चाहे वह रक्षा क्षेत्र में हो, ऊर्जा में या आर्थिक विकास में, देश की शक्ति और सुरक्षा को बढ़ाता है। इसलिए अब वक्त आ गया है कि हर भारतीय, सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएँ। यही भारत को भविष्य में वैश्विक संकटों से सुरक्षित रखने और राष्ट्र को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी उपाय है।

तीसरे कार्यकाल के दूसरे साल से पहले मोदी सरकार ने राज्यों में राज्यपालों के बड़े फेरबदल से दी राजनीतिक संदेश

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्यपाल और उपराज्यपालों के बड़े प्रशासनिक फेरबदल की घोषणा की। तमिल नाडु, पश्चिम बंगाल, बिहार, दिल्ली और लद्दाख सहित कई राज्यों में नई नियुक्तियां की गई हैं।



टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्यपाल और उपराज्यपालों की नई नियुक्तियों की घोषणा की। यह बदलाव प्रशासनिक और रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस फेरबदल के तहत पश्चिम बंगाल, तमिल नाडु, महाराष्ट्र, तेलंगाना, नागालैंड, बिहार, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और लद्दाख सहित कई क्षेत्रों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।सबसे प्रमुख बदलाव तमिल नाडु के राज्यपाल आरएन रवि के स्थानांतरण के रूप में सामने आया। उन्हें अब पश्चिम बंगाल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। रवि सीवी आनंद बोस की जगह लेंगे, जिन्होंने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बोस पिछले साढ़े तीन वर्षों से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे। तमिल नाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर को नया राज्यपाल बनाया गया है। वे इससे पहले केरल में राज्यपाल के रूप में कार्यरत थे।दिल्ली और लद्दाख में भी महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरणजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया उपराज्यपाल बनाया गया है। संधू लंबे समय तक कूटनीतिक सेवा में रहे हैं और विदेश नीति से जुड़े महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी राज्यपाल बदले गए हैं। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को तेलंगाना का राज्यपाल बनाया गया, जबकि तेलंगाना के जिष्णु देव वर्मा को महाराष्ट्र का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया। नागालैंड के नए राज्यपाल के रूप में बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव को जिम्मेदारी दी गई है। बिहार में सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सयद अता हसनैन को राज्यपाल नियुक्त किया गया है। हसनैन सुरक्षा और रणनीति के मामलों में विशेषज्ञ माने जाते हैं।हिमाचल प्रदेश के लिए भी नई नियुक्ति की गई है। लद्दाख के उपराज्यपाल रहे कविंदर गुप्ता को अब हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है। कविंदर गुप्ता का कार्यकाल लद्दाख में काफी चर्चा में रहा, खासकर 24 सितंबर 2025 को लेह शहर में हुई हिंसक घटना के कारण। उस दिन पुलिस की गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई थी।तमिल नाडु में आरएन रवि और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे। राज्यपाल ने कई विधेयकों को मंजूरी देने में देरी की, जिसके कारण अप्रैल 2025 में उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा। आरएन रवि का प्रशासनिक और सुरक्षा क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। वे भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी और खुफिया ब्यूरो में कार्यरत रहे हैं और 2014–2021 में नागा शांति वार्ता के केंद्र सरकार के वार्ताकार भी रहे।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बदलाव पर चिंता जताई और कहा कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फोन कर आरएन रवि की नियुक्ति की जानकारी दी। ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार से पहले कोई परामर्श नहीं किया गया और आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हितों के कारण यह कदम उठाया गया हो सकता है।मोदी सरकार जल्द ही अपने तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे करने वाली है, ऐसे में माना जा रहा है कि महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों और बदलावों का दौर शुरू हो गया है।

नीतीश कुमार के राज्यसभा चुनाव पर कांग्रेस की तीखी प्रतिक्रिया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया; कांग्रेस और जेडीयू कार्यकर्ताओं में प्रतिक्रिया अलग-अलग, राजनीतिक विवाद और विरोध प्रदर्शन उभरे।बिहार की राजनीति में शुक्रवार को एक बड़ा मोड़ देखने को मिला, जब राज्य के लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने नए मंत्रिमंडल को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार ने 2025 में पांचवीं बार विधानसभा चुनाव जीतकर एनडीए की दो-तिहाई बहुमत वाली सरकार बनाई थी और इस दौरान दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। नीतीश कुमार के 2026 के राज्यसभा चुनाव में भाग लेने पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने तीखी प्रतिक्रिया दी। रमेश ने कहा कि बिहार चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य नेताओं ने बार-बार यह कहा था कि नीतीश कुमार राज्य में लंबे समय तक नहीं टिकेंगे। उन्होंने इसे जनता के भरोसे के साथ धोखा बताते हुए कहा कि यह जनादेश केवल नीतीश कुमार को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने के लिए था। रमेश ने इसको अमेरिका और वेनेजुएला के उदाहरण से जोड़ते हुए कहा कि यह स्थिति लोकतांत्रिक विश्वास के लिए चिंता का विषय है।रमेश ने आगे आरोप लगाया कि नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए अपने लिए वोट मांगे, अपने बेटे या किसी अन्य के लिए नहीं। उन्होंने भारतीय राजनीति में बढ़ती पार्टी केंद्रित ताकत और राज्यपालों के राजनीतिक हस्तक्षेप की भी आलोचना की। उनका कहना था कि अब राज्यपालों की भूमिका पूरी तरह से राजनीतिक हो गई है, जबकि पहले वह निष्पक्ष होते थे।इस बीच जेडीयू समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने पटना में मुख्यमंत्री आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। समर्थकों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई जानकारी पर संदेह जताया और कहा कि यह सही नहीं हो सकता। एक कार्यकर्ता ने कहा कि नीतीश कुमार जनता के जनादेश का अपमान नहीं कर सकते और उन पर भारी राजनीतिक दबाव है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की जनता उन्हें परिवार मानती है और मुख्यमंत्री पद पर कोई और नहीं होना चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, नीतीश कुमार का राज्यसभा में जाना जेडीयू के भीतर उत्तराधिकार और नेतृत्व परिवर्तन के सवाल को नई दिशा देगा। यह स्थिति बिहार की राजनीति में नए समीकरण और गहन चर्चाओं को जन्म दे रही है, जिसमें पार्टी के अंदर और बाहर कई गुटों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

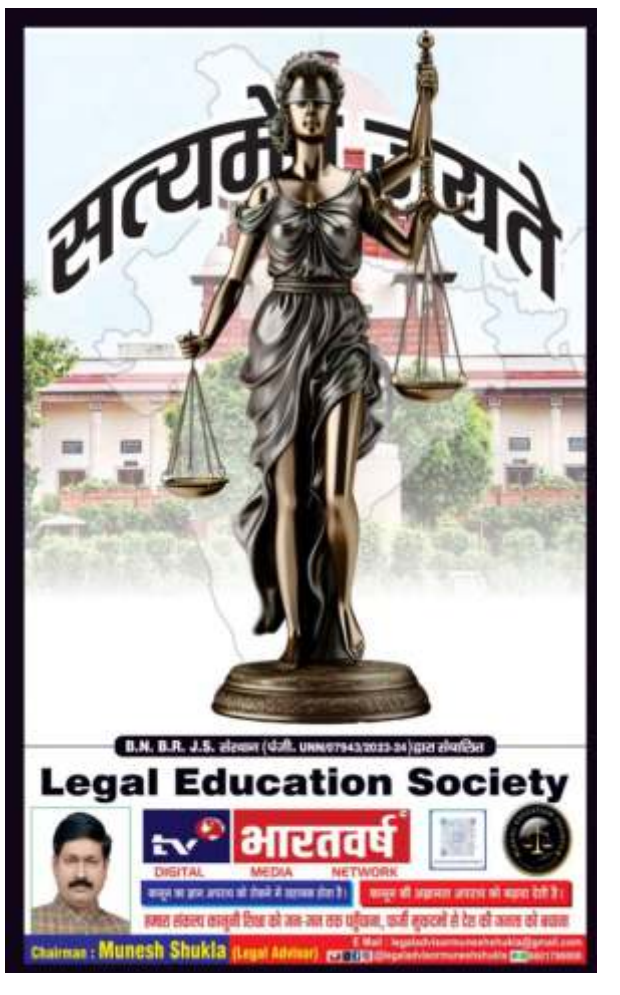


नीतीश कुमार के राज्यसभा नामांकन के बाद जेडीयू में उत्तराधिकार की दौड़ तेज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के एक दिन बाद ही पार्टी में उत्तराधिकार और नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि जनता दल (यूनाइटेड) के बेटे निशांत कुमार को जल्द ही पार्टी की कमान सौंपी जा सकती है। यह घटनाक्रम जेडीयू के भीतर भविष्य के नेतृत्व और संगठनात्मक दिशा पर गहरी बहस का विषय बन गया है।नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने से जेडीयू में उत्तराधिकार का प्रश्न खुल गया है। पार्टी के भीतर इस बात को लेकर मतभेद हैं कि आगे किसे नेतृत्व सौंपा जाएगा। कई वरिष्ठ नेता इस दौड़ में शामिल बताए जा रहे हैं, जिनमें कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, बिहार के मंत्री अशोक चौधरी और विजय चौधरी शामिल हैं। हालांकि, पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि विभिन्न गुटों में मतभेद नेतृत्व परिवर्तन को जटिल बना रहे हैं। इस बीच, निशांत कुमार एक संभावित सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में उभरे हैं। पार्टी के कई सदस्य मानते हैं कि उनका सक्रिय राजनीति में प्रवेश एकता बनाए रखने और संभावित विभाजन को रोकने में सहायक हो सकता है। निशांत कुमार अभी तक चुनावी राजनीति से दूर रहे हैं, लेकिन उन्हें आंतरिक मतभेदों को दूर करने में सक्षम और अपेक्षाकृत तटस्थ नेता के रूप में देखा जा रहा है। आज नीतीश कुमार की अध्यक्षता में होने वाली पार्टी बैठक में नेतृत्व के मुद्दे पर चर्चा होने की संभावना है। बैठक में यह तय किया जाएगा कि राज्यसभा में जाने के बाद पार्टी स्थिरता कैसे बनाए रख सकती है और सत्ता का सुचारू हस्तांतरण कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है। साथ ही, जेडीयू के मुख्य समर्थक आधार, विशेषकर कुर्मी-कोइरी समुदायों पर इस नेतृत्व परिवर्तन के संभावित प्रभाव का भी आकलन किया जाएगा।विशेषज्ञों का कहना है कि यदि नेतृत्व परिवर्तन सफलतापूर्वक और समय पर किया गया, तो यह पार्टी की एकता और संगठनात्मक मजबूती को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके अलावा, यह कदम जेडीयू के भविष्य में नई रणनीति और युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए भी मील का पत्थर साबित हो सकता है। निशांत कुमार का नाम अब पार्टी में एक नए नेतृत्व और संभावित स्थिरता का प्रतीक बनकर उभर रहा है।





मार्च में टैक्स बचाने की जल्दबाजी से बचें

सही फाइनेंशियल प्लानिंग से करें साल का समापन



मार्च का महीना शुरू होते ही टैक्स बचाने और निवेश से जुड़ी सलाहों का दौर तेज हो जाता है। कई वित्तीय संस्थानों और एजेंटों की ओर से निवेश के कॉल्स और ऑफर्स भी बढ़ जाते हैं। हालांकि, अक्सर देखा जाता है कि लोग पूरे साल वित्तीय योजना पर ध्यान नहीं देते और वित्तीय वर्ष के आखिरी दिनों में जल्दबाजी में फैसले ले लेते हैं। ऐसी स्थिति में कई बार गलत निवेश हो जाता है, जिसका असर लंबे समय तक पड़ सकता है। दरअसल, वित्तीय वर्ष का अंत केवल टैक्स बचाने का मौका नहीं होता, बल्कि यह पूरे साल की कमाई, खर्च और बचत का मूल्यांकन करने का भी सही समय होता है। इस दौरान की गई छोटी सी लापरवाही अगले साल बड़ी वित्तीय समस्या का कारण बन सकती है।विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी तरह का निवेश करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि करदाता पुराना टैक्स रिजीम चुनना चाहता है या नया। अधिकतर लोग इसी चरण में गलती कर बैठते हैं। अगर कोई व्यक्ति नया टैक्स सिस्टम चुनता है, तो उसे आयकर अधिनियम की धारा 80C या 80D जैसी कई छूटों का लाभ नहीं मिल पाता। ऐसे में बिना योजना बनाए सिर्फ टैक्स बचाने के उद्देश्य से निवेश करना फायदेमंद नहीं होता। इसलिए निवेश से पहले यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि कौन सा टैक्स रिजीम अपनाया जाएगा। हालांकि, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि टैक्स में बचत हो या न हो, भविष्य की वित्तीय सुरक्षा के लिए नियमित निवेश जारी रखना हमेशा लाभकारी होता है।वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए 31 मार्च की तारीख से भी ज्यादा महत्वपूर्ण उनके कार्यालय द्वारा तय की गई निवेश प्रमाण जमा करने की अंतिम तिथि होती है। यदि कर्मचारी समय पर निवेश से जुड़े दस्तावेज जमा नहीं करते, तो नियोक्ता अधिक टैक्स काट सकता है। इसका सीधा असर कर्मचारियों की हाथ में आने वाली सैलरी पर पड़ता है। वहीं, फ्रीलांसरों और स्वतंत्र पेशेवरों के लिए अपने सभी खर्चों की रसीदें और इनवॉइस व्यवस्थित रखना जरूरी है। उन्हें कार्यालय से जुड़े खर्च और निजी खर्च अलग-अलग दर्ज करने चाहिए, ताकि जुलाई में आयकर रिटर्न भरते समय किसी तरह की परेशानी न हो। इसके अलावा जिन लोगों ने अलग-अलग बैंकों में कई फिक्स्ड डिपॉजिट (F D) या रिकरिंग डिपॉजिट (RD) कर रखे हैं, उन्हें भी वित्तीय वर्ष खत्म होने से पहले अपने ब्याज की कुल राशि का अनुमान लगा लेना चाहिए। इन जमा योजनाओं पर मिलने वाला ब्याज धीरे-धीरे बढ़ता रहता है और यदि यह तय सीमा से अधिक हो जाता है, तो बैंक स्वतः ही उस पर टीडीएस काट लेते हैं। ऐसे में पैन कार्ड की जानकारी बैंक में अपडेट रखना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर टैक्स छूट से जुड़े फॉर्म भी समय पर जमा कर देने चाहिए, ताकि अनावश्यक रूप से टीडीएस न कटे।वित्तीय योजनाकार यह भी सलाह देते हैं कि टैक्स बचाने के चक्कर में ऐसी चीजों पर खर्च नहीं करना चाहिए, जिनकी वास्तव में जरूरत ही न हो। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी व्यक्ति को स्वास्थ्य बीमा की आवश्यकता है, तो उसका प्रीमियम भरना एक जरूरी वित्तीय सुरक्षा कदम है, न कि केवल टैक्स बचाने का माध्यम। इसके साथ ही, वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले अपने बैंक खातों, डीमैट अकाउंट और बीमा पॉलिसियों में नॉमिनी का नाम जरूर अपडेट कर लेना चाहिए।साथ ही, यदि किसी पर अधिक ब्याज दर वाला कर्ज है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर चुकाने की कोशिश करनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, हर व्यक्ति को अनिश्चित परिस्थितियों से निपटने के लिए एक मजबूत इमरजेंसी फंड भी तैयार रखना चाहिए। इस तरह वित्तीय वर्ष के अंत में थोड़ी सी सतर्कता और योजना भविष्य की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत बना सकती है।

जिम्बाब्वे टीम का पहला बैच रवाना, इथियोपिया के रास्ते पहुंचेगा हरारे



टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर-8 चरण पार न कर पाने वाली जिम्बाब्वे टीम का पहला बैच बुधवार को भारत से अपने घर हरारे के लिए रवाना हो गया। टीम को दो मार्च को स्वदेश लौटना था, लेकिन एक मार्च को दिल्ली में साउथ अफ्रीका से पांच विकेट से हारने के बाद खिलाड़ी भारत में ही फंस गए थे। इसके बाद ICC ने टीम की वापसी के लिए वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था की।दरअसल, ईरान और इजराइल के बीच जारी तनाव के कारण वेस्ट एशिया का एयरस्पेस बंद है। पहले जिम्बाब्वे की टीम दुबई के रास्ते हरारे लौटने वाली थी, लेकिन अब नई व्यवस्था के तहत टीम इथियोपिया होते हुए हरारे पहुंचेगी। जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड (ZC) ने बुधवार को ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर जानकारी दी। बोर्ड ने ट्वीट किया कि खिलाड़ियों का पहला बैच बुधवार को रवाना हुआ, जबकि बाकी खिलाड़ी शुक्रवार दोपहर को निकलेंगे।वहीं, वेस्टइंडीज की टीम अभी भी भारत में ही अटकी हुई है। कोलकाता में चार दिनों से रुकी टीम के हेड कोच डैरेन सैमी ने सोशल मीडिया पर लिखा, "मैं बस घर जाना चाहता हूं। कम से कम हमें कोई अपडेट तो दें। पांच दिन हो गए हैं और हमें अभी तक कुछ स्पष्ट नहीं बताया गया है।"जिम्बाब्वे ने रविवार को अपना आखिरी मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला। टीम के कुछ खिलाड़ी सोमवार सुबह 4.30 बजे रवाना होने वाले थे, जबकि बाकी दिन में जाने वाले थे। दिल्ली से दुबई और दुबई से हरारे की फ्लाइट बुक थी, लेकिन दुबई में एयरस्पेस बंद होने के कारण प्लेयर्स को भारत में ही रुकना पड़ा।टी-20 वर्ल्ड कप भारत और श्रीलंका में खेला जा रहा है। 7 फरवरी को शुरू हुए टूर्नामेंट में 20 टीमों ने हिस्सा लिया। सुपर-8 स्टेज में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज आगे नहीं बढ़ पाए।

मुंबई इंडियंस का नया अवतार:

आईपीएल 2026 से पहले जर्सी में बड़े बदलाव



भारतीय महिला फुटबॉल टीम के लिए जापान के खिलाफ चुनौतीपूर्ण मुकाबला

एएफसी महिला एशियाई कप में भारतीय महिला फुटबॉल टीम के लिए शनिवार का मुकाबला बेहद चुनौतीपूर्ण साबित होगा, जब उसे ग्रुप सी के दूसरे मैच में जापान से भिड़ना है। भारतीय टीम ने अपने पहले ग्रुप मैच में वियतनाम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन इंजुरी टाइम में गोल गंवाने के कारण 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। पदार्पण कर रही सैनफिडा नोंग्रम के बराबरी गोल ने टीम का मनोबल जरूर बढ़ाया।हालांकि जापान पूरी तरह अलग स्तर की टीम है। फीफा रैंकिंग में दुनिया की आठवें नंबर पर और दो बार की चैंपियन रह चुकी जापान टीम भारत से कहीं बेहतर मानी जाती है। जापान ने अपने पिछले मैच में चीनी ताइपे के पेनल्टी क्षेत्र में 87 बार प्रवेश किया था, जिससे भारतीय डिफेंस के लिए शनिवार का मैच चुनौतीपूर्ण रहेगा। भारतीय कप्तान स्वीटी देवी की अगुआई वाली टीम को जवाबी हमलों और रक्षात्मक मजबूती पर ध्यान देना होगा।टीम की कोच अमेलिया वाल्वरडे ने कहा कि टीम अच्छा महसूस कर रही है और जापान जैसी मजबूत टीम के खिलाफ दो दिन की तैयारी से टीम पूरी तरह से मुकाबले के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "हमें प्रतिस्पर्धी बने रहना होगा और वियतनाम के



खिलाफ जैसा प्रदर्शन किया था, वैसा ही सतर्क और तगड़ा खेल दिखाना होगा।"इस ग्रुप से शीर्ष दो टीमों के साथ-साथ तीसरे नंबर की दो बेहतर टीमें क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। क्वार्टर फाइनल जीतने वाली चार टीमें 2027 फीफा महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। हारने वाली टीमों के लिए प्लेऑफ के जरिए विश्व कप के लिए एक और मौका मिलेगा।भारत और जापान एएफसी महिला एशियाई कप में तीसरी बार भिड़ेंगे। इससे पहले दोनों टीमों ने 1999 में ग्रुप चरण में मुकाबला किया था, जिसमें जापान ने 7-0 और 1-0 से जीत हासिल की थी। भारतीय टीम इस बार मजबूत और प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी।

लियोनेल मेसी की इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर का खिताब जीता,

व्हाइट हाउस में ट्रंप ने किया स्वागत

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी की टीम इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (MLS) का खिताब पहली बार अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद टीम के खिलाड़ियों को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया और उनका स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पीच दी, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है।स्पीच के दौरान ट्रंप ने मेसी की महानता का जिक्र करते हुए स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम भी लिया और कहा कि रोनाल्डो भी ग्रेट खिलाड़ी हैं। इस दौरान मेसी मुस्कुराते हुए ट्रंप की बात सुनते रहे। समारोह में इंटर मियामी की टीम ने ट्रंप को अपनी जर्सी भेंट की, जबकि मेसी ने राष्ट्रपति को रत्नजड़ित गुलाबी फुटबॉल देकर सम्मानित किया।राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, "आज मैं 2025 एणएलएस कप चैंपियन, इंटर मियामी की मेजबानी करके बेहद खुश हूं। यह मेरा सौभाग्य है कि मैं वह कह पा रहा हूं जो आज तक किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को कहने का मौका नहीं मिला। व्हाइट हाउस में आपका स्वागत है, लियोनेल मेसी।"स्पीच के दौरान ट्रंप ने ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले का भी उल्लेख किया और मेसी से उनकी तुलना की। उन्होंने कहा कि उन्होंने पेले को खेलते हुए देखा है और उन्हें लगता है कि मेसी भी उतने ही महान खिलाड़ी हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह कहना उनके लिए कठिन है क्योंकि वे बूढ़े हो गए हैं, लेकिन पेले ने फुटबॉल को एक नई पहचान दी।इस कार्यक्रम के माध्यम से अमेरिका ने इंटर मियामी और लियोनेल मेसी की उपलब्धियों को सम्मानित किया। मेसी के फैन और फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह पल खास रहा, क्योंकि उन्होंने अपने पसंदीदा खिलाड़ी को व्हाइट हाउस में इतिहास रचते हुए देखा।

टी20 वर्ल्ड कप 2026

अब न्यूजीलैंड से होगा रोमांचक मुकाबला

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल का टिकट काट लिया है। अब भारतीय टीम 8 मार्च को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबला खेलेगी। हालांकि, न्यूजीलैंड के खिलाफ यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए आसान नहीं होने वाला है। यदि भारत न्यूजीलैंड को हरा देती है, तो वह लगातार दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी पर कब्जा जमा लेगी, लेकिन इतिहास और दोनों टीमों के बीच रिकॉर्ड इसे आसान नहीं बनने देंगे।टी20 वर्ल्ड कप 2026 में यह भारत और न्यूजीलैंड का पहली बार फाइनल में आमना-सामना होगा। ग्रुप स्टेज और सुपर-8 में दोनों टीमें एक-दूसरे से नहीं भिड़ीं। ऐसे में क्रिकेट प्रेमियों को एक रोमांचक फाइनल देखने को मिलने की उम्मीद है। हालांकि, टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत और न्यूजीलैंड के हेड टू हेड रिकॉर्ड ने भारतीय फैंस की धड़कनें बढ़ा दी हैं। अब तक इस टूर्नामेंट में भारत न्यूजीलैंड को एक भी मैच में नहीं हरा पाया है। दोनों टीमों का आखिरी सामना 2021 टी20 वर्ल्ड कप में हुआ था, जब न्यूजीलैंड ने भारत को 8 विकेट से हराया था। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत और न्यूजीलैंड की भिड़ंत कुल तीन बार हुई है और इन सभी मुकाबलों में न्यूजीलैंड विजयी रही है। पहली बार दोनों टीमें 2007 में आमने-सामने आईं, जब ग्रुप स्टेज में न्यूजीलैंड ने भारत को 10 रनों से हराया था। हालांकि, भारत ने उसी टूर्नामेंट में चैंपियन बनकर खिताबी जीत हासिल की थी।दूसरी बार भारत और न्यूजीलैंड 2016 के टी20 वर्ल्ड कप में भिड़ी थी, जहां न्यूजीलैंड ने 47 रन से जीत दर्ज की। तीसरी और आखिरी बार 2021 के टी20 वर्ल्ड कप में इनका मुकाबला हुआ, जिसमें न्यूजीलैंड ने भारत को 8 विकेट से मात दी।इस इतिहास को देखते हुए भारतीय टीम



को फाइनल में कड़ी मेहनत करनी होगी। टीम के कप्तान और खिलाड़ी रणनीति के साथ मैदान पर उतरेंगे, जबकि फैंस एक रोमांचक और निर्णायक मुकाबले की उम्मीद कर रहे हैं। भारत का लक्ष्य होगा कि वह इस बार अपनी हार का रिकॉर्ड तोड़े और पहली बार फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर ट्रॉफी अपने नाम करे।

वीडियो देख लोग बोले- क्या है माजरा?

पाकिस्तान हाई कोर्ट में चले लात-घूंसे

जानकारी के अनुसार पुरुष और महिला वकील के बीच शुरू हुआ झगड़ा कई मिनटों तक चला.इस दौरान कोर्ट परिसर में जोरदार शोर-शराबा, नारेबाजी और गाली-गलौज सुनाई देती रही.





इस वायरल वीडियो के पीछे की पूरी कहानी क्या है (Photo:X/@urviewsurnews)

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ वकील जूतमपैजार करते दिखाई दे रहे हैं. बताया जा रहा है कि यह वीडियो लाहौर हाई कोर्ट के अंदर का है. अदालत के परिसर में वकीलों को इस तरह आपस में भिड़ते देख लोग हैरान रह गए हैं.

आइए जानते हैं, इस वायरल वीडियो के पीछे की पूरी कहानी और आखिर पाकिस्तान के वकील आपस में क्यों उलझ गए. पाकिस्तान टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक, लाहौर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन चुनावों के बीच तनाव इतना बढ़ चुका था कि मामला सीधे हाथापाई तक पहुंच गया. जानकारी के अनुसार पुरुष और महिला वकील के बीच शुरू हुआ झगड़ा कई मिनटों तक चला.इस दौरान कोर्ट परिसर में जोरदार शोर-शराबा, नारेबाजी और गाली-गलौज सुनाई देती रही. वीडियो के एक हिस्से में महिला वकील को पंखे का एक हिस्सा उठा कर पुरुष वकील की ओर फेंकते देखा गया, जो उसे जा लगता है.कुछ ही क्षण बाद पुरुष वकील उस पर शारीरिक हमला करता दिखाई देता है. महिला वकील जवाब देने की कोशिश करती है, लेकिन वह लगातार प्रहार जारी रखता है.इस बीच एक अन्य क्लिप में दो पुरुष वकील भी अलग से आपस में लड़ते दिखते हैं.सबसे हैरानी वाली बात है कई लोग झगड़ा छुड़ाने की बजाय इसे मोबाइल पर रिकॉर्ड कर रहे थे.



गुजिया बनाने का इतना आसान हैक

होली वाले घरों में बचपन से एक चीज आम है.वो है गुजिया. सोशल मीडिया पर एक ऐसा तरीका वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग दंग हैं. क्योंकि इसमें न तो किसी सांचे की जरूरत पड़ती है और न किसी मशीन की. पूरा काम सिर्फ एक गिलास और एक चम्मच से हो जाता है-वो भी मिनटों में. अब ये तरीका वायरल हो रहा है. वीडियो में दिखने वाली महिला ने गुजिया की तैयारी पहले से कर रखी है. सबसे पहले वह मैदे की एक बड़ी रोटी बेलती है. इसके बाद वह सात जगहों पर स्टफिंग रखकर पूरी को दूसरी तरफ मोड़ देती है.

मिसाइल हमलों के दौरान UAE राष्ट्रपति पहुंचे जनता के बीच

हमलों के बाद दुबई में सब ठीक!

ईरान द्वारा लगातार किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों ने दुबई की उस सुरक्षित छवि को झटका दिया है, जिसे दुनिया बरसों से मिडिल ईस्ट की सबसे सुरक्षित जगह कहती आई है.पिछले तीन दिनों में इंटरसेप्ट किए गए प्रोजेक्टाइल का मलबा शहर के कई हिस्सों पर गिरा.

कुछ फाइव स्टार होटलों में आग लगी, कई अपार्टमेंट टावरों की खिड़कियां टूट गईं और दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर चार कर्मचारी घायल हुए. ये सभी घटनाएं UAE सरकार और स्थानीय मीडिया द्वारा पुष्टि की गई हैं. कई प्रवासी भारतीय और विदेशी नागरिक सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा कर रहे हैं. लोगों ने आसमान में इंटरसेप्शन की चमकती लकीरें, धमाकों की आवाज़ें और धुआं उठते हुए वीडियो पोस्ट किए.दुबई जैसी शांत और सुरक्षित शहर में यह अनुभव लोगों के लिए नया और डरावना रहा,लेकिन इसी तनावपूर्ण माहौल में एक ऐसी घटना घटी जिसने पूरे देश को आश्वस्त कर दिया. सोमवार शाम यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान और दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिना किसी औपचारिक सिक्योरिटी शो के अचानक दुबई मॉल पहुंचे.



कुवैती एयर डिफेंस ने गलती से गिरा दिए थे अमेरिकी जेट!

महिला पायलट की मदद करता दिखा शख्स

इजरायल- अमेरिका के हमले का जवाब देते हुई ईरान अलग-अलग देशों में अमेरिकी बेस पर हमला कर रही है. हाल ही में कुवैत में अमेरिका का जेट क्रैश हो गया था. इसी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें एक कुवैती नागरिक फीमेल अमेरिकी पायलट की मदद करते देखा नजर आ रहा है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे 20 सेकंड के इस वीडियो में एक फीमेल पायलट को खुले रेतीले इलाके में जमीन पर बैठा देखा जा सकता है. एक कुवैती नागरिक उसके पास जाता है . इंग्लिश में पूछता है, 'क्या आप ठीक हैं? हमारी मदद करने के लिए धन्यवाद. आप सुरक्षित हैं.' कुवैती नागरिक को देखते ही पायलट जमीन से उठती नजर आती हैं. इस दौरान वो लगातार मुस्कुराती भी दिखाई दीं. दरअसल, कुवैती एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान के खिलाफ अभियान में शामिल तीन F-15 स्ट्राइक ईगल विमानों को गलती से मार गिराया था. ये हादसा तब हुआ जब ईरान ने अमेरिकी सैन्य अड्डों वाले खाड़ी देशों पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से बड़ा हमला बोला था. उस समय आसमान में भारी सैन्य गतिविधि चल रही थी. अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, इन विमानों के सभी 6 क्रू मेंबर्स सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे. हालांकि अधिकारियों ने ये नहीं बताया कि किस सिस्टम से विमानों को गिराया गया, लेकिन कुवैत अमेरिका निर्मित 'पेट्रियट' मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल करता है.



कुवैती नागरिक ने अमेरिकी पायलट को थैंक्यू कहा. (Photo: Screengrab)

अनिल कपूर की दमदार अदाकारी के बावजूद बिखरी हुई कहानी में उलझी 'सूबेदार'

प्राइम वीडियो पर रिलीज़ हुई नई फिल्म 'सूबेदार' कागज़ पर एक प्रभावशाली और गंभीर कहानी का वादा करती है, लेकिन पर्दे पर आते ही यह कई सामाजिक मुद्दों, व्यक्तिगत त्रासदियों और एक्शन के बीच उलझती हुई दिखाई देती है। 'जलसा' और 'तुम्हारी सुलु' जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले निर्देशक सुरेश त्रिवेणी ने इस फिल्म को बनाया है, लेकिन इसकी कहानी में इतने सारे विचार शामिल कर दिए गए हैं कि कोई भी एक विचार पूरी तरह विकसित नहीं हो पाता।फिल्म की कहानी एक छोटे शहर में सेट है, जहाँ अवैध रेत खनन और सैंड माफिया का आतंक फैला हुआ है। कहानी के केंद्र में सूबेदार मेजर आदित्य मौर्या का किरदार है, जिसे अनिल कपूर ने निभाया है। मौर्या सेना से रिटायर होकर घर लौटे हैं और अपने अतीत के गर्व और अपराधबोध के बीच जी रहे हैं। उन्हें अपनी वर्दी पर गर्व है, लेकिन परिवार को समय न दे पाने का पछतावा भी है। उनकी पत्नी अब इस दुनिया में नहीं हैं और वह अपनी बेटी श्यामा, जिसका किरदार राधिका मदान ने निभाया है, के साथ टूटे हुए रिश्ते को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। फिल्म का मुख्य प्रतिद्वंद्वी प्रिंस है, जिसे आदित्य रावल ने निभाया है। वह सैंड माफिया की क्वीन बबली दीदी, यानी मोना सिंह के किरदार का भाई है। प्रिंस एक अहंकारी और हिंसक युवक है, जो पूरे शहर को अपनी जागीर समझता है। जब एक अनुशासित पूर्व सैनिक का सामना एक सनकी अपराधी से होता है, तो कहानी में टकराव शुरू होता है। हालांकि फिल्म का सबसे बड़ा कमजोर पक्ष इसकी बिखरी हुई पटकथा है। फिल्म तय नहीं कर पाती कि वह एक रिवेंज ड्रामा है या माफिया थ्रिलर। कहानी में पिता-बेटी के तनावपूर्ण रिश्ते, कॉलेज में महिलाओं के खिलाफ बदतमीजी और बुलीइंग, पितृसत्ता तथा अवैध रेत खनन जैसे कई मुद्दों को शामिल किया गया है। लेकिन फिल्म इन सभी विषयों को छूकर आगे बढ़ जाती है और किसी भी मुद्दे को इतनी गहराई से नहीं दिखाती कि दर्शक उससे भावनात्मक रूप से जुड़ सकें। कहानी में मुख्य संघर्ष की वजहें भी कई बार कमजोर और अजीब लगती हैं। उदाहरण के लिए, मौर्या का गुस्सा तब चरम पर पहुँचता है जब उनकी पुरानी जीप खराब हो जाती है, जो उनकी दिवंगत पत्नी के सपनों से जुड़ी है। वहीं प्रिंस अपनी मां के गहनों से चांदी की रिवॉल्वर बनवाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहता है। ये प्रतीकात्मक बातें कहानी में भावनात्मक गहराई लाने की कोशिश करती हैं, लेकिन स्क्रीन पर कई बार बचकानी जिद जैसी लगती हैं। फिल्म की कहानी को 'डर' और 'घाव' जैसे अध्यायों में बांटने की तकनीक भी खास असर नहीं छोड़ती। इसके साथ ही पूरी फिल्म का टोन लगातार गंभीर और भारी बना रहता है, जिसमें हल्के या हास्यपूर्ण पलों की कमी महसूस होती है। हालांकि अभिनय के मामले में फिल्म मजबूत दिखाई देती है। अनिल कपूर एक बार फिर अपनी दमदार मौजूदगी और शांत तीव्रता से प्रभावित करते हैं। आदित्य रावल ने भी एक साइकोटिक विलेन के रूप में प्रभावशाली काम किया है। राधिका मदान, सौरभ शुक्ला और फैजल मलिक जैसे कलाकार भी अपनी छोटी भूमिकाओं में छाप छोड़ते हैं। कुल मिलाकर, 'सूबेदार' एक बुरी फिल्म नहीं है, लेकिन इसमें इतने सारे विचार एक साथ डाल दिए गए हैं कि कहानी अपना पूरा प्रभाव नहीं छोड़ पाती। अनिल कपूर की शानदार परफॉर्मेंस और कुछ दमदार एक्शन सीक्वेंस के बावजूद यह फिल्म अंततः एक औसत अनुभव बनकर रह जाती है।



लखनऊ में प्राइवेट हॉस्पिटल की लापरवाही से महिला की मौत, परिजन ने किया हंगामा

लखनऊ के कृष्णा लाइफ लाइन हॉस्पिटल में डिलीवरी के बाद 22 वर्षीय चांदनी कुमारी को मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों के विरोध पर ICU से बाहर निकाली गई, लेकिन गंभीर स्थिति के कारण बलरामपुर और केजीएमयू रेफर किया गया, जहां छह घंटे बाद उनकी मौत हो गई। परिजन ने लापरवाही का आरोप लगाया।



टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र के वृंदावन योजना स्थित कृष्णा लाइफ लाइन हॉस्पिटल में डिलीवरी के बाद एक महिला को मृत घोषित कर दिया गया, लेकिन परिजनों के हंगामे और विरोध के बाद ICU से बाहर निकालने पर पता चला कि महिला जिंदा थी। हालांकि, गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बलरामपुर अस्पताल और फिर केजीएमयू रेफर किया गया, जहां करीब छह घंटे बाद महिला की मौत हो गई।घटना की पीड़िता 22 वर्षीय चांदनी कुमारी हैं, जो इस्माइल नगर, नगराम निवासी आशु रावत की पत्नी थीं। चांदनी कुमारी गुरुवार सुबह प्रसव पीड़ा होने पर दोपहर करीब 12 बजे अस्पताल में भर्ती कराई गई। शाम करीब 7 बजे उसने ऑपरेशन से बेटे को जन्म दिया। इसके बाद डॉक्टरों ने उनकी स्थिति गंभीर बताते हुए ICU में शिफ्ट किया।परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन इलाज के नाम पर बार-बार अतिरिक्त पैसे जमा कराता रहा। महिला के ससुर अनिल कुमार ने बताया कि पहले 15 हजार रुपये, फिर 18,500 और 25 हजार रुपये जमा कराए गए। अस्पताल ने रातभर खून चढ़ाते हुए लगातार दवाओं और अतिरिक्त राशि की मांग की। महिला के भाई दिनेश रावत ने बताया कि शुक्रवार सुबह डॉक्टरों ने 8 यूनिट खून चढ़ाने के लिए कहा। परिजनों ने 8 लोगों को खून देने के लिए बुलाया, लेकिन अस्पताल का स्टाफ लगातार भ्रमित करता रहा।सुबह करीब 7 बजे डॉक्टरों ने परिजनों को बताया कि महिला की मौत हो गई है। अस्पताल ने डेथ सर्टिफिकेट पर परिजनों से साइन भी करा लिया। इस खबर के बाद परिजन भड़क उठे और हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया और महिला को दिखाने की मांग की। हंगामे को देखते हुए अस्पताल ने महिला को ICU से बाहर निकाला, तब पता चला कि उसकी सांसें चल रही थीं। तत्काल पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद महिला को बलरामपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए उसे केजीएमयू रेफर कर दिया। दोपहर करीब 1 बजे केजीएमयू में महिला की मौत हो गई। परिजन ने आरोप लगाया कि यदि अस्पताल ने समय पर उचित इलाज किया होता या सही समय पर महिला को रेफर किया होता, तो उसकी जान बच सकती थी। उनका कहना है कि अस्पताल प्रशासन केवल पैसा कमाने के चक्कर में महिला को लंबे समय तक लटकाता रहा। चांदनी कुमारी की शादी एक साल पहले हुई थी और उनका नवजात पुत्र स्वस्थ है। परिवार का कहना है कि अस्पताल की लापरवाही और मनमानी व्यवहार ने महिला की जान लेने में अहम भूमिका निभाई।इस मामले में पुलिस और स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से जांच की जा रही है। प्रशासन ने अस्पताल के रवैये और इलाज में लापरवाही की बातों को गंभीरता से लेते हुए घटना की गहन जांच कराने का आश्वासन दिया है।

इंदिरा नगर पार्क में ऑटो चालक का शव मिला, हत्या की आशंका जताई गई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ। इंदिरा नगर के सेक्टर-14 स्थित पार्क में गुरुवार को ऑटो चालक का शव संदिग्ध हालात में पाया गया। शव पर चोट के निशान देख परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है।इंदिरा नगर मुंशी पुलिया निवासी राजेश सोनकर (61) पेशे से ऑटो चालक थे। उनकी पत्नी सुषमा ने बताया कि राजेश गुरुवार सुबह घर से किसी काम की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। शुक्रवार सुबह इलाके के सेक्टर-14 में स्थित पार्क में उनका शव पड़ा मिला। परिजनों का कहना है कि राजेश की हत्या कर शव को पार्क में फेंका गया है। वहीं, कुछ सूत्रों का कहना है कि मृतक शराब का आदी भी थे।शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सटीक वजह का खुलासा हो सकेगा।पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि घटना के समय वहां मौजूद किसी भी संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया जा सके। मामले की जांच की जिम्मेदारी स्थानीय थाने को सौंपी गई है।अधिकारियों का कहना है कि शव पर चोट के निशान होने के कारण हत्या की संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। परिजन पुलिस से उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही अपराधी पकड़े जाएंगे और न्याय मिलेगा।इस घटना ने इंदिरा नगर इलाके में सनसनी फैला दी है। स्थानीय लोग सुरक्षा में सुधार की मांग कर रहे हैं और पुलिस से अपराध नियंत्रण के लिए कड़े कदम उठाने की अपील कर रहे हैं।

लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर उद्घाटन से पहले ही सवालों में , डिवाइडर के सूखे पौधे

टीवी भारतवर्ष लखनऊ



लखनऊ में गोमतीनगर से निशातगंज होते हुए हनुमान सेतु तक बनाए जा रहे ग्रीन कॉरिडोर को शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने की एक बड़ी परियोजना के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि उद्घाटन से पहले ही इस परियोजना की साज-सज्जा को लेकर सवाल उठने लगे हैं।कॉरिडोर को आकर्षक और हरित बनाने के उद्देश्य से सड़क के बीच बने डिवाइडर में बड़ी संख्या में पौधे लगाए गए थे। इन पौधों पर लाखों रुपये खर्च किए गए, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही दिखाई दे रही है। अधिकांश पौधे अब सूख चुके हैं, जिससे परियोजना की देखरेख और रखरखाव पर सवाल खड़े हो गए हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि पौधारोपण तो किया गया, लेकिन उनकी देखभाल और नियमित सिंचाई की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। यही कारण है कि लगाए गए अधिकांश पौधे अब मुरझा गए हैं। लोगों का मानना है कि अगर समय पर पौधों की देखभाल की जाती, तो यह कॉरिडोर वास्तव में हरियाली से भरपूर नजर आता।गोमतीनगर के समतामूलक चौराहे से निशातगंज होते हुए हनुमान सेतु तक बनने वाला यह ग्रीन कॉरिडोर करीब 4 से 5 किलोमीटर लंबा है। अधिकारियों के अनुसार इसके शुरू होने के बाद गोमतीनगर से हनुमान सेतु तक की दूरी महज पांच मिनट में तय की जा सकेगी, जिससे शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।प्रशासन का दावा है कि इस कॉरिडोर के चालू होने से रोजाना एक लाख से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। गोमतीनगर, विभूतिखंड, विराटखंड, विनयखंड, निशातगंज, डालीगंज, हजरतगंज और हनुमान सेतु क्षेत्र के निवासियों को इससे आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी।वर्तमान में परियोजना के अंतिम चरण के कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं और जल्द ही इसका लोकार्पण किए जाने की तैयारी की जा रही है। हालांकि उद्घाटन से पहले ही सूख चुके पौधों ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की देखरेख पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

लखनऊ में 9 मार्च को होगा आईटी सिटी योजना का शुभारंभ

टीवी भारतवर्ष लखनऊ



लखनऊ में बहुप्रतीक्षित आईटी सिटी योजना का औपचारिक शुभारंभ 9 मार्च को किया जाएगा। इस अवसर पर सबसे पहले उन लोगों को लॉटरी के माध्यम से प्लॉट आवंटित किए जाएंगे, जिन्होंने लैंड पूलिंग योजना के तहत अपनी जमीन दी है।लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पहले चरण की लॉटरी में वही लोग शामिल किए जाएंगे, जिन्होंने 31 जनवरी तक लैंड पूलिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इससे योजना से जुड़े जमीन मालिकों को प्राथमिकता के आधार पर विकसित प्लॉट उपलब्ध कराए जाएंगे। प्लॉट आवंटन की लॉटरी 9 मार्च को सुबह 10 बजे से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित की जाएगी। लॉटरी के माध्यम से ही यह तय किया जाएगा कि किस व्यक्ति को किस स्थान पर और किस आकार का प्लॉट मिलेगा। इस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए लॉटरी प्रणाली अपनाई जा रही है। एलडीए के अनुसार, लॉटरी के माध्यम से कुल छह अलग-अलग आकार के प्लॉट आवंटित किए जाएंगे। इनमें 288 वर्ग मीटर, 200 वर्ग मीटर, 128 वर्ग मीटर, 72 वर्ग मीटर, 45 वर्ग मीटर और 35 वर्ग मीटर के प्लॉट शामिल हैं। आवंटन प्रक्रिया पूरी तरह लैंड पूलिंग योजना के तहत दी गई जमीन के अनुपात पर आधारित होगी। प्राधिकरण के मुताबिक, जिस व्यक्ति ने जितनी जमीन लैंड पूलिंग योजना में दी है, उसके अनुपात में उसे 25 प्रतिशत विकसित जमीन वापस दी जाएगी। यदि किसी आवेदक को 25 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रफल का प्लॉट मिलता है, तो अतिरिक्त क्षेत्र के लिए एलडीए द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार भुगतान करना होगा।

ईरान पर हमले के विरोध में लखनऊ में 13 मार्च को बड़ा प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ। ईरान पर हाल ही में हुए हमले को लेकर लखनऊ में 13 मार्च को बड़े प्रदर्शन का ऐलान किया गया है। आसिफी मस्जिद में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई की कड़ी निंदा की और ईरान की सलामती एवं क्षेत्र में शांति के लिए दुआ कराई।मौलाना कल्बे जव्वाद ने अपने बयान में कहा कि ईरान पर किया गया हमला अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवता के खिलाफ है। उन्होंने अमेरिका और इजराइल को इस पूरी घटनाक्रम के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह कार्रवाई क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ाने वाली है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि हमले जारी रहे तो वे और उनके अनुयायी अपनी आवाज बुलंद करेंगे।उन्होंने भारत की मौजूदा स्थिति पर भी सवाल खड़े किए। मौलाना ने कहा कि भारत हमेशा शांति और न्याय की बात करता रहा है, इसलिए इस मामले पर स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। उनका कहना था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही घटनाओं पर भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश की आवाज महत्वपूर्ण है।जुमे की नमाज में बड़ी संख्या में नमाजी मौजूद थे। सुरक्षा के मद्देनजर मस्जिद परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। नमाज के बाद ईरान और वहां के लोगों की सलामती के लिए विशेष दुआ भी कराई गई।

लिफ्ट खराब होने से महिला फरियादी की तबीयत बिगड़ी मेयर ने अधिकारियों को लगाई फटकार



लखनऊ नगर निगम के समाधान दिवस के दौरान एक महिला फरियादी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। लिफ्ट खराब होने के कारण महिला को सीढ़ियां चढ़कर सेकंड फ्लोर पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचना पड़ा। सांस फूलने की वजह से वह हॉल में ही बैठ गई। तत्काल नगर निगम के ईटीएफ बल के कर्मचारियों ने महिला को कुर्सी पर बैठाकर नीचे सुरक्षित उतारा। कुछ देर बाद उनकी तबीयत सामान्य हो गई।वहीं, 90 साल की बुजुर्ग महिला भी सीढ़ियां चढ़कर सेकंड फ्लोर तक पहुंचीं। इस पर मेयर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा, "आप लोगों की मानवता खत्म हो चुकी है क्या?" मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बुजुर्ग और बीमार फरियादियों के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। समाधान दिवस में मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। कुछ फरियादियों ने यह जताया कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। 60 साल के एक बुजुर्ग ने नाराजगी जताते हुए कहा, "8 बार चक्कर लगा चुका हूं, समस्या का समाधान नहीं हो रहा। जान दे दूं क्या?"वजीरगंज निवासी राम दुलारी ने बताया कि उन्हें 15 हजार रुपये का हाउस टैक्स का बिल मिला है, जिससे परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि लिफ्ट खराब होने के कारण उन्हें सीढ़ियां चढ़कर ऊपर जाना पड़ा, जिससे सांस फूलने लगी और तबीयत बिगड़ गई। ईटीएफ बल के कर्मचारियों ने उन्हें कुर्सी पर बैठाकर नीचे सुरक्षित पहुंचाया।दरीयापुर तालकटोरा निवासी 90 साल की विशुना ने भी अपनी समस्या सामने रखी। उनका मकान एक कमरा का है और पिछले तीन साल से हाउस टैक्स नहीं जमा हुआ है। उनका बिल कुल 972 रुपए आया है। उन्होंने राहत की मांग की, क्योंकि घर में कोई और नहीं है और अकेले ही समाधान दिवस में आना पड़ा। समाधान दिवस में यह घटनाक्रम यह दर्शाता है कि बुजुर्ग और बीमार फरियादियों के लिए विशेष इंतजाम की जरूरत है। मेयर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में ऐसे मामलों को गंभीरता से देखा जाए।

उन्नाव जिला अस्पताल में होली के बाद मरीजों की भीड़

ओपीडी में लगी लंबी कतारें

टीवी भारतवर्ष उन्नाव



उन्नाव। होली पर्व के तीन दिन बाद शुक्रवार को जिला अस्पताल की ओपीडी खुलते ही मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही अस्पताल परिसर में पर्चा बनवाने और डॉक्टरों को दिखाने के लिए लंबी कतारें लगीं। लगातार तीन दिन के अवकाश के कारण कई मरीज होली के दौरान अपना इलाज नहीं करा पाए थे, इसलिए ओपीडी खुलते ही बड़ी संख्या में लोग उपचार के लिए पहुंचे।सुबह करीब आठ बजे से ही पर्चा काउंटर पर लोगों की भीड़ लगना शुरू हो गई थी। अस्पताल में सबसे अधिक मरीज सर्दी, जुकाम, बुखार, पेट दर्द और त्वचा संबंधी समस्याओं के साथ पहुंचे। डॉक्टरों ने सभी मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं। कई मरीजों ने बताया कि होली के दौरान खानपान में अनियमितता और रंगों के इस्तेमाल के कारण उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हुईं। इसके अलावा, कुछ लोग पुराने रोगों की जांच और नियमित दवा लेने के लिए भी जिला अस्पताल पहुंचे थे।मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को काफी व्यस्तता का सामना करना पड़ा। डॉक्टरों ने एक-एक कर सभी मरीजों की जांच की और जरूरी दवाएं दीं। साथ ही, मरीजों को खानपान में सावधानी बरतने, साफ-सफाई और रंगों के इस्तेमाल में सावधानी रखने की सलाह भी दी गई।अस्पताल प्रशासन ने बताया कि होली के बाद मरीजों की संख्या बढ़ना सामान्य है। त्योहार के दौरान लोग खानपान में अक्सर लापरवाही करते हैं और रंगों के इस्तेमाल से त्वचा और आंखों से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। इसका सीधा असर ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या पर पड़ता है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी। पर्चा काउंटर और ओपीडी कक्षों के बाहर लाइनों को व्यवस्थित रखने के लिए कर्मचारियों को तैनात किया गया, ताकि मरीजों को कम से कम परेशानी हो। इसके बावजूद, डॉक्टरों और कर्मचारियों ने सभी मरीजों को समय पर देखने और उन्हें दवाएं उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास किया। अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के त्योहारों के बाद मरीजों की भीड़ का सामना करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर पहले से तैयारियों को सुनिश्चित किया जाता है। इसके तहत अतिरिक्त स्टाफ तैनात किया जाता है और दवाओं की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध कराई जाती है, ताकि मरीजों को इंतजार में अधिक समय न लगे।स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि त्योहारों के दौरान खानपान और रंगों के उपयोग में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को इसके असर से बचाने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने आम जनता से अपील की कि ओपीडी में आने से पहले प्राथमिक देखभाल अपनाएं और आवश्यक सावधानियां बरतें। इस तरह, उन्नाव जिला अस्पताल में होली के बाद बढ़ी मरीजों की भीड़ ने प्रशासन और डॉक्टरों के प्रयासों को परखा, लेकिन उनके समर्पित प्रयासों से सभी मरीजों को समय पर इलाज और दवाएं उपलब्ध कराई जा सकीं।

शुक्लागंज में एटीएम चोरी का खुलासा: दो शातिर चोर गिरफ्तार



टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के शुक्लागंज में गंगाघाट पुलिस ने एक हाईप्रोफाइल एटीएम चोरी का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 6 मार्च, शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।पुलिस के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक की शाखा प्रबंधक ने 5 मार्च, 2026 को कोतवाली गंगाघाट में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 3 मार्च की सुबह लगभग चार बजे अज्ञात चोर एटीएम बूथ में घुस आए। आरोपियों ने पहले सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे कर उसे निष्क्रिय किया और फिर एटीएम मशीन के कैश डिस्पेंसर बॉक्स को तोड़कर उसमें रखे 49,500 रुपये चोरी कर लिए।पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और सुरागों के आधार पर पुलिस टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मेहुल (29), पुत्र उमेश चंद्र, निवासी बालाजी वाली गली, शुक्लागंज, उन्नाव, और अरविंद अवस्थी (38), पुत्र रामऔतार, निवासी ग्राम बलहापारा, घाटमपुर, कानपुर नगर के रूप में हुई।पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल किए गए उपकरण, जैसे पेचकस, प्लास और 10,200 रुपये नकद बरामद किए। जांच में पता चला कि मेहुल और अरविंद का आपराधिक इतिहास रहा है। मेहुल पर कानपुर नगर और उन्नाव में धोखाधड़ी, चोरी और आईटी एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं, जबकि अरविंद अवस्थी पर धोखाधड़ी, जालसाजी और गैंगस्टर एक्ट जैसी धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।



उन्नाव रमज़ान में जन्नतुल मस्जिद में पूरे कुरआन की तिलावत का आयोजन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। रमज़ान के पवित्र महीने में जन्नतुल मस्जिद में 15वीं रात को तरावीह की नमाज़ में पूरे 30 पारों का कुरआन शरीफ मुकम्मल किया गया। इस अवसर पर मस्जिद में बड़ी संख्या में रोज़ेदार और नमाज़ियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने इस रूहानी कार्यक्रम में भाग लेकर आस्था और उत्साह का अनुभव किया।मस्जिद के पेश इमाम हाफ़िज़ मौलाना ग़ुलाम फ़रीद ने तरावीह की नमाज़ में कुरआन पाक की तिलावत पूरी कराई। कुरआन मुकम्मल होने के बाद नमाज़ियों और रोज़ेदारों में हर्ष और उल्लास का माहौल देखने को मिला। उन्होंने कहा कि पूरे कुरआन की तिलावत करना रमज़ान के महीने में बेहद पुण्य का कार्य है और यह ईमानदार मुसलमानों के लिए अल्लाह की रहमत और बरकत का कारण बनता है।तरावीह की नमाज़ के बाद मस्जिद में मौजूद लोगों ने अल्लाह का शुक्रिया अदा किया और देश में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की विशेष दुआ की। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने भाईचारे और सौहार्द की भावना बनाए रखने के लिए भी प्रार्थना की। मौलाना ग़ुलाम फ़रीद ने कहा कि रमज़ान का महीना रहमत, बरकत और मग़फिरत का होता है। इस महीने में अल्लाह की इबादत, रोज़ा, नमाज़ और कुरआन की तिलावत का विशेष महत्व है। उन्होंने नमाज़ियों से अपील की कि रमज़ान के महीने में अधिक से अधिक इबादत करें, ज़रूरतमंदों की मदद करें और समाज में अमन, भाईचारा और इंसानियत का पैगाम फैलाएं। उन्होंने कहा कि यही रमज़ान का असली संदेश है, जो केवल व्यक्तिगत पुण्य नहीं बल्कि समाज के कल्याण से जुड़ा हुआ है। इस अवसर ने उन्नाव में रमज़ान के पवित्र माह की रूहानी महत्ता को उजागर किया और समुदाय में भाईचारे और धार्मिक चेतना को मजबूत किया। जन्नतुल मस्जिद में यह आयोजन स्थानीय मुस्लिम समाज के लिए एक प्रेरणादायक और आध्यात्मिक अनुभव साबित हुआ।



असोहा में एरीज एग्रो का आधुनिक प्लांट शुरू किसानों को मिलेगा सीधे लाभ और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के असोहा क्षेत्र स्थित इस्लामनगर ग्राम पंचायत में शुक्रवार दोपहर 2 बजे एरीज एग्रो लिमिटेड के अत्याधुनिक नए विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (CMD) डॉ. राहुल मीरचंदानी, निदेशक मंडल के सदस्य, कंपनी सचिव, ऑल इंडिया एवं नॉर्दर्न रीजन के मार्केटिंग हेड, विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ विपणन प्रबंधक और उत्तर प्रदेश के प्रमुख वितरक उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में डॉ. राहुल मीरचंदानी ने कहा कि उन्नाव में नए कारखाने का स्थानांतरण गुणवत्ता आश्वासन और भारतीय किसानों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी 140 उत्पादों की श्रृंखला के साथ 57 वर्षों का विश्वास कायम रखते हुए नवाचार और खेतों के बीच की दूरी को कम कर रही है। उनका मानना है कि यह प्लांट किसानों तक उत्पादों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करेगा और लाभकारी कृषि को बढ़ावा देगा। ग्रुप हेड ओंकार पाटिल ने बताया कि नया विनिर्माण संयंत्र कंपनी के उद्देश्य 'बेहतर फसल, बेहतर कल' को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस संयंत्र के माध्यम से किसानों को सीधे लाभ मिलेगा और सतत कृषि को बढ़ावा मिलेगा। कंपनी के डिप्टी डायरेक्टर जनरल – मार्केटिंग (नॉर्थ) अरुण कुमार तिवारी ने भी कहा कि यह कदम कंपनी की मूल सोच और किसानों के प्रति उसकी जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि समय पर उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने से किसानों की फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार होगा। उद्घाटन समारोह के दौरान क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति और किसान भी मौजूद रहे, जिनमें सूरज सिंह, डॉ. अजय कुमार सिंह, बेद प्रकाश, शीतल, सुनील सिंह और अनुज शुक्ल शामिल थे। उन्होंने इस पहल को सराहा और माना कि नए संयंत्र से क्षेत्र की कृषि गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आमदनी में सुधार आएगा। इस नए प्लांट के उद्घाटन से न केवल एरीज एग्रो लिमिटेड की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि उन्नाव और आसपास के किसानों के लिए सीधे लाभ और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी साबित होगी।

उन्नाव में युवक ने सुसाइड किया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र स्थित बाबा खेड़ा गांव में एक युवक ने आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह ग्रामीणों ने युवक का शव पेड़ से लटका देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान बाबा खेड़ा गांव निवासी 22 वर्षीय अमित पुत्र राम रतन के रूप में हुई है। उसने गांव के पास एक बाग में आम के पेड़ से फांसी लगाई थी। सुबह नहर किनारे स्थित बाग में गए ग्रामीणों ने सबसे पहले शव को देखा। उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी गांव के अन्य लोगों और परिजनों को दी। सूचना मिलने पर मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सोहरामऊ थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू की। मृतक के पिता राम लोटन ने बताया कि अमित उनका बेटा था और उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। उन्होंने जानकारी दी कि सुबह ग्रामीणों ने ही उन्हें अमित के शव के पेड़ से लटके होने की सूचना दी थी। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाया और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। आत्महत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि मामले से जुड़ी जानकारी जुटाई जा सके।

कंचन कुमार को ट्राईसाइकिल भेंट, कैम्प कार्यालय में सम्मानित



उन्नाव के पीडी नगर निवासी कंचन कुमार को उनके चलने में असमर्थ होने के कारण एक ट्राईसाइकिल भेंट की गई। इस अवसर पर उन्हें कैम्प कार्यालय में सम्मानित भी किया गया।कार्यक्रम में कंचन कुमार को सम्मानपूर्वक पटिका पहनाकर सम्मानित किया गया। इस पहल का उद्देश्य उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और जीवन में सहज गतिशीलता प्रदान करना है।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि ऐसे छोटे प्रयास जरूरतमंदों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक सम्मान, सहयोग और संवेदना पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस तरह के प्रयास न केवल जरूरतमंदों की मदद करते हैं बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में अन्य सम्मानित व्यक्ति भी मौजूद रहे। उन्होंने इस पहल की सराहना की और कंचन कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि समाज में सहयोग और संवेदनशीलता से हर व्यक्ति को सम्मान और सहायता मिल सकती है। यह आयोजन स्थानीय स्तर पर सामाजिक समर्पण और मानवता के संदेश को उजागर करने वाला एक प्रेरणादायक कदम साबित हुआ।

बसपा का "लखनऊ चलो" आह्वान

15 मार्च को राजधानी में होगा बड़ा आयोजन

बसपा ने कांशीराम की 92वीं जयंती पर "लखनऊ चलो" का आह्वान किया। 15 मार्च को लखनऊ में स्मारक स्थल पर कार्यक्रम होगा, जिसमें मायावती और आकाश आनंद शामिल होकर संगठन की एकजुटता, बहुजन आंदोलन और राजनीतिक दिशा पर संदेश देंगे।



टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक और बहुजन आंदोलन के प्रणेता कांशीराम की 92वीं जयंती पर बहुजन समाज पार्टी ने प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं से "लखनऊ चलो" का आह्वान किया है। 15 मार्च को लखनऊ में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थकों के शामिल होने की संभावना है। मुख्य कार्यक्रम पुरानी जेल रोड स्थित कांशीराम स्मारक स्थल पर आयोजित किया जाएगा, जहां पार्टी नेतृत्व बहुजन आंदोलन की विचारधारा को मजबूत करने और संगठन को सक्रिय करने का संदेश देगा।पार्टी सूत्रों के अनुसार, जयंती समारोह को लेकर प्रदेश के विभिन्न मंडलों और जिलों में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। संगठन का लक्ष्य इस आयोजन के माध्यम से कार्यकर्ताओं की एकजुटता का प्रदर्शन करना और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए उन्हें तैयार करना है। बसपा नेतृत्व का मानना है कि इस तरह के कार्यक्रम संगठनात्मक मजबूती और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने का काम करते हैं।जानकारी के मुताबिक, बसपा के इस बड़े आयोजन में प्रदेश के 12 मंडलों से हजारों कार्यकर्ताओं और समर्थकों के शामिल होने की संभावना है। इसके लिए जिला और मंडल स्तर के पदाधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। हर जिले से कार्यकर्ताओं को बसों और अन्य वाहनों के माध्यम से लखनऊ लाने की योजना बनाई जा रही है, ताकि कार्यक्रम में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।पार्टी नेताओं का कहना है कि कांशीराम की जयंती बसपा के लिए केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि बहुजन समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष के संकल्प को दोहराने का अवसर है। इसी वजह से इस कार्यक्रम को बड़े स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान कांशीराम के जीवन, उनके संघर्ष और सामाजिक न्याय के लिए किए गए प्रयासों को याद किया जाएगा।सूत्रों के अनुसार, बसपा सुप्रीमो मायावती भी इस कार्यक्रम को संबोधित कर सकती हैं। यदि उनका कार्यक्रम तय होता है, तो यह कार्यकर्ताओं के लिए उत्साह बढ़ाने वाला होगा। उनके संबोधन में संगठन की रणनीति, दलित और पिछड़े वर्गों के मुद्दे तथा आगामी राजनीतिक दिशा पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह आयोजन बसपा के लिए संगठनात्मक ताकत दिखाने का भी एक अवसर होगा।लखनऊ के अलावा नोएडा और गौतम बुद्ध नगर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भी कांशीराम की जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में स्थानीय नेता और कार्यकर्ता बहुजन आंदोलन के इतिहास और कांशीराम के योगदान पर चर्चा करेंगे। साथ ही सामाजिक न्याय, समान अधिकार और राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।इस अवसर पर बसपा के केंद्रीय संयोजक आकाश आनंद भी सक्रिय भूमिका में नजर आ सकते हैं। जानकारी के अनुसार, वह भरतपुर में आयोजित एक बड़ी रैली को संबोधित कर सकते हैं। इसे बसपा के संगठनात्मक विस्तार और युवा नेतृत्व को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। आकाश आनंद पिछले कुछ समय से पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और युवाओं को संगठन से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। कांशीराम की जयंती पर होने वाला यह आयोजन केवल श्रद्धांजलि कार्यक्रम नहीं होगा, बल्कि इसके जरिए बसपा अपने राजनीतिक संदेश को भी मजबूती से सामने रखेगी। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय, बहुजन एकता और राजनीतिक भागीदारी के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जा सकता है।कार्यक्रम को देखते हुए लखनऊ में प्रशासन भी सतर्क रहेगा। बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना के कारण यातायात व्यवस्था और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जा सकते हैं।

दुबग्गा में सड़क हादसा: मदरसे की प्रधानाचार्य की मौत, बाइक चालक फरार

टीवी भारतवर्ष सीतापुर

दुबग्गा, माल और आलमबाग में हुए सड़क हादसों में एक मदरसे की प्रधानाचार्य, बाइक मैकेनिक और होटल मैनेजमेंट छात्र की मौत हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में एफआईआर दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगालने का काम शुरू कर दिया है।दुबग्गा स्थित अंधे की चौकी क्षेत्र में रहने वाली फातिमा खातून (39), जो कि स्थानीय मदरसे की प्रधानाचार्य थीं, इस हादसे की सबसे बड़ी शिकार बनीं। उनके पति शाहिद अनवर उसी मदरसे में प्रबंधक हैं। शाहिद के अनुसार, तीन मार्च की शाम लगभग चार बजे फातिमा दवा लेने पैदल निकली थीं। इसी दौरान काकोरी की ओर जा रही तेज रफ्तार बाइक सड़क पार कर रही फातिमा से टकरा गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि फातिमा लगभग दस फीट हवा में उछल कर सड़क पर गिर पड़ी। हादसे के तुरंत बाद बाइक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायल फातिमा को अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान फातिमा ने दम तोड़ दिया। उनके पीछे दो बेटियां, इकरा और जिकरा, हैं।इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि बाइक नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगालना शुरू कर दिया है और चालक की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी करने का प्रयास कर रही है।

सड़क हादसे ने इलाके में शोक की लहर फैला दी है। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें और तेज रफ्तार वाहन चलाने से बचें। साथ ही जिम्मेदार बाइक चालक की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए पुलिस जांच में सहयोग करने का आग्रह किया गया है।

अलीगढ़ में होली के बहाने व्यापारी से लूट का 24 घंटे में खुलासा, पांच गिरफ्तार



टीवी भारतवर्ष अलीगढ़

अलीगढ़ पुलिस ने थाना देहली गेट क्षेत्र में हुई एक लूट की वारदात का महज 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने घटना में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से लूट के पैसे, सोने के आभूषण, मोबाइल फोन तथा दो अवैध तमंचे बरामद किए हैं। एसएसपी नीरज सिंह जादौन ने घटना का खुलासा करने वाली टीम को 25,000 रुपये इनाम देने की घोषणा की है।मामला बुधवार को घुडिया बाग चौकी क्षेत्र में सामने आया। स्क्रैप कारोबारी विनोद गुप्ता के घर बदमाश होली की शुभकामनाएं देने के बहाने घुस गए और व्यापारी और उनकी पत्नी सुमन गुप्ता को बंधक बनाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने अपने चेहरे और शरीर पर होली का रंग लगाकर पहचान छुपाई थी।घटना के दौरान सुमन गुप्ता ने विरोध किया और तिजोरी की चाबी छुपा दी, जिससे बदमाश केवल सोने के कंगन और नकदी लेकर भाग गए। लूट की कोशिश में सुमन गुप्ता ने एक आरोपी के हाथ में काट लिया, जिससे वह घायल हो गया। एसएसपी नीरज सिंह जादौन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में आरिफ, नदीम, भूरा, हाशिम और पप्पू शामिल हैं। इनमें से भूरा और निजामुद्दीन मास्टरमाइंड माने जा रहे हैं। निजामुद्दीन फिलहाल फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। आरोपियों में एक बुलंदशहर और एक हरियाणा के फरीदाबाद का निवासी है, जबकि अन्य अलीगढ़ जिले के रहने वाले हैं। आरिफ के खिलाफ मथुरा और अलीगढ़ के थाना जवा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है।

बागेश्वर धाम के कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पहुंचे वाराणसी



टीवी भारतवर्ष वाराणसी

बागेश्वर धाम के प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री आज (6 फरवरी) वाराणसी पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने काशी की धरती के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया और इसे अविनाशी बताते हुए कहा कि यह भूमि हर समय दिव्यता और आध्यात्मिकता का प्रतीक रही है।मीडिया से बातचीत में आचार्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि आज उन्हें उस पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जहां कुछ भी विनाशी नहीं है। उन्होंने कहा कि महादेव और काशी विश्वनाथ की यह धरती अद्भुत और दिव्य है। उनके अनुसार, काशी में हर बार आने का अनुभव अलग और आध्यात्मिक रूप से अद्वितीय होता है।उन्होंने यह भी बताया कि उनके लिए यह विशेष अवसर है कि उन्हें बार-बार इस पावन नगरी में आने का मौका मिलता है। आचार्य शास्त्री ने कहा कि काशी की यह पवित्र धरती साधकों और भक्तों के लिए हमेशा से आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत रही है। उनका मानना है कि यहां आना न केवल धार्मिक श्रद्धा को बढ़ाता है, बल्कि व्यक्ति के मन और आत्मा को भी शांति और ऊर्जा प्रदान करता है।वाराणसी पहुंचने के बाद आचार्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने स्थानीय मंदिरों और पवित्र स्थलों का दौरा किया और काशीवासियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि काशी की महिमा और पवित्रता हर किसी के जीवन को आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध कर सकती है।आचार्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का यह आगमन न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि उनके अनुयायियों और श्रद्धालुओं के लिए भी प्रेरणादायक अवसर साबित होगा। उनका कहना है कि बार-बार काशी आने का अनुभव उन्हें आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है और उन्हें अपने उपदेशों में नई ऊर्जा देता है।

